ये अव्यक्त इशारे

संस्कार मिलन की रास करो

23-04-2024

किसी के स्वभाव अथवा संस्कारों को देख किनारा करना, यह भी घृणा अर्थात् क्रोध का ही अंश है। इसका रॉयल शब्द है - अपनी अवस्था को खराब करें इससे किनारा करना अच्छा है। लेकिन न्यारा बनना और चीज़ है, किनारा करना और चीज़ है। प्यारे बन न्यारे बनते हो, वह राइट है। लेकिन सूक्ष्म घृणा भाव ''यह ऐसा है, यह तो बदलना ही नहीं है।'' ऐसे सदा के लिए उसको सूक्ष्म में श्रापित करते हो। खुद सेफ रहो लेकिन दूसरों को सर्टीफिकेट नहीं दो।

Perform the dance of harmonising sanskars.

To step away when you see someone's nature and sanskars is also a trace of dislike or anger. The royal words for this are: It is better to step away than to spoil my stage because of this. However, to become detached is one thing and to step away is something else. To be loving and then become detached is right, but when there is dislike in a subtle way, such as, "This one is like this and never changes", you are then cursing them forever in a subtle way. Remain safe, but don't give someone a final certificate in this way.